इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद (उ० प्र०)

(सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम)

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) हिन्दीसाहित्य : प्रथम सेमेस्टर

(सन् 2018 की परीक्षा और उससे आगे के लिए)

प्रथम प्रश्नपत्र : प्राचीन काव्य

पूर्णांक 100

अंक-विभाजन :

अति लघु उत्तरीय प्रश्न	:	दस, 20 अंक (10 × 2) लगभग 50 शब्दों में।
व्याख्या	:	तीन, 30 अंक (3 × 10)
लघु उत्तरीय प्रश्न	:	दो, 20 अंक (2 × 10) लगभग 250 शब्दों में।
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	:	दो, 30 अंक (2 × 15) लगभग 500 शब्दों में।

निर्धारित कवि और काव्य :

1. **चन्दवरदाई :** 'पृथ्वीराज रासो' का एक समय
2. **विद्यापति :** पदावली से 20 पद
3. **अमीर खुसरो :** चयनित कविताएँ

पाठ्यपुस्तक : प्राचीन काव्यसंग्रह

सम्पादक : 1. **प्रो० दिनेश कुशवाह,** आचार्य-हिन्दीविभाग, अवधेशप्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा
2. **डॉ० विमलेश मिश्र,** हिन्दीविभाग, दी० द० उ० गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
3. **डॉ० रेखा श्रीवास्तव,** अध्यक्ष-हिन्दीविभाग, महात्मा गाँधी पी.जी. कालेज, फतेहपुर

द्रुत-पाठ हेतु – **सरहपाद** और **अद्दहमाण** का अध्ययन अपेक्षित होगा। इन कवियों पर केवल लघु उत्तरीय प्रश्न ही पूछे जायेंगे।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से और व्याख्या तथा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न केवल मूल पाठ से पूछे जायेंगे।

सन्दर्भ-ग्रन्थ :

1.	**हिन्दी साहित्य का आदिकाल**	:	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
2.	**हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान**	:	डॉ० नामवर सिंह
3.	**कीर्तिलता और अवहट्ट**	:	डॉ० शिवप्रसाद सिंह
4.	**विद्यापति**	:	डॉ. आनन्दप्रकाश दीक्षित
5.	**विद्यापति**	:	डॉ. शिवप्रसाद सिंह
6.	**विद्यापति : व्यक्ति और कवि**	:	डॉ. रामसजन पाण्डेय
7.	**विद्यापति का सौन्दर्यबोध**	:	डॉ. रामसजन पाण्डेय
8.	**महाकवि विद्यापति**	:	डॉ. जयनाथ नलिन
9.	**हिन्दी साहित्य का इतिहास**	:	रामचन्द्र शुक्ल
10.	**हिन्दी साहित्य का इतिहास**	:	(सं.) डॉ० नगेन्द्र

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद (उ० प्र०)

(सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम)

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) हिन्दीसाहित्य : प्रथम सेमेस्टर

(सन् 2018 की परीक्षा और उससे आगे के लिए)

द्वितीय प्रश्नपत्र : भक्तिकाव्य

पूर्णांक 100

अंक-विभाजन :

अति लघु उत्तरीय प्रश्न	:	दस, 20 अंक (10 × 2) लगभग 50 शब्दों में।
व्याख्या	:	तीन, 30 अंक (3 × 10)
लघु उत्तरीय प्रश्न	:	दो, 20 अंक (2 × 10) लगभग 250 शब्दों में।
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	:	दो, 30 अंक (2 × 15) लगभग 500 शब्दों में।

1. **कबीरदास :** कबीर-ग्रन्थावली (सम्पादक : श्यामसुन्दर दास) विभिन्न अंगों से संकलित 25 साखियाँ तथा 10 पद।
2. **जायसी :** 'पदमावत' (सम्पादक : रामचन्द्र शुक्ल) के दो खण्ड
3. **सूरदास :** 'सूरसागर' (सम्पादक : धीरेन्द्र वर्मा) से 25 पद
4. **तुलसीदास :** 'विनयपत्रिका' (गीताप्रेस) से 25 पद

पाठ्यपुस्तक : भक्तिकाव्य-संग्रह

सम्पादक : 1. **प्रो० सदानन्द शाही,** आचार्य-हिन्दीविभाग, बी.एच.यू., वाराणसी।

2. **प्रो० पवन अग्रवाल,** आचार्य-हिन्दीविभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।

3. **डॉ० प्रभाकर मिश्र,** अध्यक्ष-हिन्दीविभाग, आचार्य नरेन्द्र देव पी.जी. कालेज, बभनान, गोण्डा।

द्रुत-पाठ हेतु – **मीराबाई और रहीम का अध्ययन अपेक्षित होगा। इन कवियों पर केवल लघु उत्तरीय प्रश्न ही पूछे जायेंगे।**

अति लघु उत्तरीय प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से और व्याख्या तथा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न केवल मूल पाठ से पूछे जायेंगे।

सन्दर्भ-ग्रन्थ :

1.	**मध्ययुगीन काव्यसाधना**	:	डॉ. रामचन्द तिवारी
2.	**हिन्दीकाव्य में निर्गुण सम्प्रदाय**	:	डॉ. पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल
3.	**कबीर**	:	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
4.	**कबीर-मीमांसा**	:	डॉ. रामचन्द तिवारी
5.	**कबीर-साहित्य की परख**	:	परशुराम चतुर्वेदी
6.	**कबीर की विचारधारा**	:	डॉ. गोविन्द त्रिगुणायत
7.	**कबीर और जायसी**	:	डॉ. शिवमूर्ति शर्मा
8.	**पदमावत का काव्य-सौन्दर्य**	:	डॉ. शिवसहाय पाठक
9.	**जायसी**	:	डॉ. विजयदेव नारायण साही
10.	**पदमावत**	:	वासुदेवशरण अग्रवाल

11.	अष्टछाप और वल्लभ-सम्प्रदाय	:	डॉ. दीनदयालु गुप्त
12.	सूरदास	:	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
13.	सूर का काव्यवैभव	:	डॉ. मुंशीराम शर्मा
14.	महाकवि सूरदास	:	आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
15.	सूर और उनका साहित्य	:	डॉ. हरबंशलाल शर्मा
16.	सूर का शृंगार-वर्णन	:	डॉ. रमाशंकर तिवारी
17.	भ्रमरगीत सार (भूमिका)	:	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
18.	तुलसी-दर्शन	:	डॉ. बलदेवप्रसाद मिश्र
19.	रामकथा : उद्भव और विकास	:	डॉ. कामिल बुल्के
20.	तुलसीदास	:	आचार्य रामचन्द शुक्ल
21.	तुलसी काव्य-मीमांसा	:	डॉ. उदयभानु सिंह
22.	तुलसीदास और उनका युग	:	डॉ. राजपति दीक्षित
23.	त्रिवेणी	:	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
24.	तुलसीदास	:	माताप्रसाद गुप्त
25.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	:	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद (उ० प्र०)

(सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम)

एम.ए.(पूर्वार्द्ध) हिन्दीसाहित्य : प्रथम सेमेस्टर

(सन् 2018 की परीक्षा और उससे आगे के लिए)

तृतीय प्रश्नपत्र : रीतिकाव्य-संग्रह

पूर्णांक 100

अंक-विभाजन :

अति लघु उत्तरीय प्रश्न	:	दस, 20 अंक (10 × 2) लगभग 50 शब्दों में।
व्याख्या	:	तीन, 30 अंक (3 × 10)
लघु उत्तरीय प्रश्न	:	दो, 20 अंक (2 × 10) लगभग 250 शब्दों में।
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	:	दो, 30 अंक (2 × 15) लगभग 500 शब्दों में।

1. **केशवदास :** रामचन्द्रिका से चयनित 20 छन्द।
2. **बिहारी :** 'बिहारी-रत्नाकर' (सम्पादक : जगन्नाथदास 'रत्नाकर') से 30 दोहे।
3. **घनानन्द :** 'घनानन्द कवित्त' (सम्पादक : विश्वनाथप्रसाद मिश्र) से 15 दोहे।

पाठ्य-पुस्तक- रीतिकाव्य-संग्रह

सम्पादक : 1. **प्रो० चित्तरंजन मिश्र,** अध्यक्ष-हिन्दीविभाग, दी. द. उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
2. **प्रो० दिनेश कुशवाह,** आचार्य-हिन्दीविभाग, अवधेशप्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा
3. **डॉ० रेखा श्रीवास्तव,** अध्यक्ष-हिन्दीविभाग, महात्मा गाँधी पी.जी. कालेज, फतेहपुर

द्रुत-पाठ हेतु - **देव** और **पद्माकर** का अध्ययन अपेक्षित होगा। इन कवियों पर केवल लघु उत्तरीय प्रश्न ही पूछे जायेंगे।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से और व्याख्या तथा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न केवल मूल पाठ से पूछे जायेंगे।

सन्दर्भ-ग्रन्थ :

1.	**रीतिकालीन साहित्य का पुनर्मूल्यांकन**	:	डॉ. रामकुमार वर्मा
2.	**बिहारी**	:	आचार्य विश्वनाथप्रसाद मिश्र
3.	**हिन्दी काव्य में शृंगार-परम्परा और बिहारी**	:	डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त
4.	**बिहारी का काव्य-लालित्य**	:	डॉ. रमाशंकर तिवारी
5.	**बिहारी-सतसई**	:	जगन्नाथदास 'रत्नाकर'
6.	**बिहारी के काव्य का पुनर्मूल्यांकन**	:	डॉ. रामदेव शुक्ल
7.	**केशव का आचार्यत्व**	:	डॉ. विजयपाल सिंह
8.	**आचार्य केशवदास**	:	डॉ. हीरालाल दीक्षित
9.	**हिन्दी साहित्य का इतिहास**	:	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
10.	**हिन्दी साहित्य का इतिहास**	:	(सं.) डॉ० नगेन्द्र

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद (उ० प्र०)

(सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम)

एम.ए.(पूर्वार्द्ध) हिन्दीसाहित्य : प्रथम सेमेस्टर

(सन् 2018 की परीक्षा और उससे आगे के लिए)

चतुर्थ प्रश्नपत्र : आधुनिक गद्य (निबन्ध एवं नाटक)

पूर्णांक 100

अंक-विभाजन :

अति लघु उत्तरीय प्रश्न	:	दस, 20 अंक (10 × 2) लगभग 50 शब्दों में।
व्याख्या	:	तीन, 30 अंक (3 × 10)
लघु उत्तरीय प्रश्न	:	दो, 20 अंक (2 × 10) लगभग 250 शब्दों में।
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	:	दो, 30 अंक (2 × 15) लगभग 500 शब्दों में।

निर्धारित पाठ्यक्रम

(क) निबन्ध-

1. **सरदार पूर्णसिंह**
2. **आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी**
3. **आचार्य रामचन्द्र शुक्ल**
4. **डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी**
5. **डॉ. विद्यानिवास मिश्र**
6. **कुबेरनाथ राय**

पाठ्यपुस्तक का नाम : प्रतिनिधि निबन्ध

सम्पादक : 1. **प्रो० सदानन्द शाही,** आचार्य-हिन्दीविभाग, बी.एच.यू., वाराणसी।
2. **प्रो० अनिल राय,** आचार्य-हिन्दीविभाग, दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

(ख) नाटक :

स्कन्दगुप्त : जयशंकर प्रसाद

अथवा

आधे-अधूरे : मोहन राकेश

द्रुत-पाठ हेतु - निबन्धकार- **भारतेन्दु हरिश्चन्द्र तथा प्रतापनारायण मिश्र,** नाटककार- **लक्ष्मीनारायण मिश्र तथा रामकुमार वर्मा,** का अध्ययन अपेक्षित होगा। इन रचनाकारों पर केवल लघु उत्तरीय प्रश्न ही पूछे जायेंगे।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से और व्याख्या तथा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न केवल मूल पाठ से पूछे जायेंगे।

सन्दर्भग्रन्थ-

1. **हिन्दी का गद्य-साहित्य** : डॉ. रामचन्द्र तिवारी
2. **निबन्ध : सिद्धान्त और प्रयोग** : डॉ. हरिहरनाथ द्विवेदी
3. **आचार्य रामचन्द्र शुक्ल** : डॉ. जयचन्द्र राय

4.	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल	:	डॉ. रामचन्द्र तिवारी
5.	आचार्य शुक्ल : सन्दर्भ और दृष्टि	:	डॉ. जगदीशनारायण 'पंकज'
6.	लोक जागरण और आचार्य रामचन्द्र शुक्ल	:	डॉ. रामविलास शर्मा
7.	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी	:	डॉ. विश्वनाथप्रसाद तिवारी
8.	हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास	:	डॉ. दशरथ ओझा
9.	हिन्दी नाटक साहित्य का इतिहास	:	डॉ. सोमनाथ गुप्त
10.	प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन	:	डॉ. जगन्नाथप्रसाद शर्मा
11.	प्रसाद के ऐतिहासिक नाटक	:	डॉ. जगदीशचन्द्र जोशी
12.	हिन्दी में ललित निबन्ध	:	डॉ. ललित व्यास

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद (उ० प्र०)

(सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम)

एम.ए.(पूर्वार्द्ध) हिन्दीसाहित्य : द्वितीय सेमेस्टर

(सन् 2018 की परीक्षा और उससे आगे के लिए)

प्रथम प्रश्नपत्र : हिन्दी कथासाहित्य (उपन्यास एवं कहानी)

पूर्णांक 100

अंक-विभाजन :

अति लघु उत्तरीय प्रश्न	:	दस, 20 अंक (10 × 2) लगभग 50 शब्दों में।
व्याख्या	:	तीन, 30 अंक (3 × 10)
लघु उत्तरीय प्रश्न	:	दो, 20 अंक (2 × 10) लगभग 250 शब्दों में।
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	:	दो, 30 अंक (2 × 15) लगभग 500 शब्दों में।

निर्धारित पाठ्यक्रम

(क) उपन्यास :

गोदान - प्रेमचन्द

अथवा

नदी के द्वीप - अज्ञेय

(ख) कहानी : निर्धारित कहानीकार

1. चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'
2. जयशंकर प्रसाद
3. प्रेमचन्द
4. जैनेन्द्रकुमार
5. निर्मल वर्मा
6. राजेन्द्र यादव
7. उषा प्रियंवदा।

पाठ्यपुस्तक का नाम : कथादर्पण

सम्पादक : (1) **प्रो० सदानन्द शाही**, आचार्य-हिन्दीविभाग, बी.एच.यू., वाराणसी।
(2) **डॉ० अनूप शुक्ल**, हिन्दीविभाग, महात्मा गांधी पी.जी. कालेज, फतेहपुर।

द्रुत-पाठ हेतु - उपन्यासकार- **अमृतलाल नागर** तथा **यशपाल** एवं कहानीकार- **मन्नू भण्डारी** तथा **दूधनाथ सिंह** का अध्ययन अपेक्षित होगा। इन रचनाकारों पर केवल लघु उत्तरीय प्रश्न ही पूछे जायेंगे।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से और व्याख्या तथा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न केवल मूल पाठ से पूछे जायेंगे।

सन्दर्भग्रन्थ-

1. **प्रेमचन्द और उनका युग** : डॉ. रामविलास शर्मा
2. **गोदान** : डॉ. इन्द्रनाथ मदान
3. **हिन्दी उपन्यास** : डॉ. शिवनारायण श्रीवास्तव
4. **हिन्दी उपन्यास और यथार्थवाद** : डॉ. त्रिभुवन सिंह

5.	**हिन्दी उपन्यास : शिल्प और प्रयोग**	:	डॉ. त्रिभुवन सिंह
6.	**गोदान : नया परिप्रेक्ष्य**	:	डॉ. गोपाल राय
7.	**गोदान : कुछ सन्दर्भ**	:	डॉ. कमलेशकुमार गुप्ता
8.	**हिन्दी कहानियों का विवेचनात्मक अध्ययन**	:	डॉ. ब्रह्मदेव शर्मा
9.	**हिन्दी कहानी : रचना और प्रक्रिया**	:	डॉ. परमानंद श्रीवास्तव
10.	**हिन्दी कहानी : उद्‌भव और विकास**	:	डॉ. सुरेश सिन्हा
11.	**हिन्दी कहानियों की शिल्पविधि का विकास**	:	डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल
12.	**अपने-अपने अज्ञेय**	:	ओम थानवी
13.	**अज्ञेय**	:	(सं.) डॉ. विश्वनाथप्रसाद तिवारी
14.	**हिन्दी के साहित्य-निर्माता : अज्ञेय**	:	प्रभाकर माचवे
15.	**शिखर से सागर तक**	:	डॉ. रामकमल राय
16.	**अज्ञेय एवं आधुनिक रचना की समस्या**	:	डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
17.	**अज्ञेय : सौन्दर्य-संधारणा**	:	डॉ. दुर्गाप्रसाद ओझा

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद (उ० प्र०)

(सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम)

एम.ए.(पूर्वार्द्ध) हिन्दीसाहित्य : द्वितीय सेमेस्टर

(सन् 2018 की परीक्षा और उससे आगे के लिए)

द्वितीय प्रश्नपत्र : भारतीय काव्यशास्त्र

पूर्णांक 100

अंक-विभाजन :

अति लघु उत्तरीय प्रश्न	:	दस, 20 अंक (10 × 2) लगभग 50 शब्दों में।
लघु उत्तरीय प्रश्न	:	पाँच, 50 अंक (5 × 10) लगभग 250 शब्दों में।
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	:	दो, 30 अंक (2 × 15) लगभग 500 शब्दों में।

पाठ्य विषय :

(क) भारतीय काव्यशास्त्र- भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा, काव्य का स्वरूप (काव्य-लक्षण), काव्य की आत्मा, काव्य-हेतु, काव्य-प्रयोजन, काव्य-भेद (प्रकार), काव्य-गुण, काव्य-दोष, शब्द-शक्ति। भारतीय काव्यसिद्धान्त– रस के अवयव, रस निष्पत्ति एवं साधारणीकरण, रीति, अलंकार, वक्रोक्ति, ध्वनि और औचित्य सिद्धान्त।

(ख) हिन्दी आलोचना : हिन्दी आलोचना का विकास, प्रमुख हिन्दी आलोचक और उनकी मान्यताएँ : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नन्ददुलारे वाजपेयी, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, डॉ. नगेन्द्र, डॉ. रामविलास शर्मा, मुक्तिबोध, डॉ0 नामवर सिंह।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1.	भारतीय काव्यशास्त्र	:	डॉ. कृष्णबल
2.	भारतीय साहित्यशास्त्र	:	आचार्य बलदेव उपाध्याय
3.	काव्यशास्त्र	:	डॉ. भगीरथ मिश्र
4.	भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा	:	डॉ. नगेन्द्र
5.	साहित्यालोचन	:	डॉ. श्यामसुन्दर दास
6.	सिद्धान्त और अध्ययन	:	बाबू गुलाबराय
7.	रस-मीमांसा	:	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
8.	काव्यशास्त्र-विमर्श	:	डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
9.	रस-सिद्धान्त और सौन्दर्यशास्त्र	:	डॉ. निर्मला जैन
10.	रीतिकाव्य की भूमिका	:	डॉ. नगेन्द्र
11.	काव्य रस : चिन्तन और आस्वाद	:	डॉ. भगीरथ मिश्र
12.	भारतीय काव्यशास्त्र	:	डॉ. योगेन्द्रप्रताप सिंह
13.	भारतीय काव्यशास्त्र का इतिहास	:	डॉ. तारकनाथ बाली
14.	भारतीय काव्यशास्त्र	:	डॉ. हरिशचन्द्र वर्मा
15.	रस-सिद्धान्त	:	डॉ. नगेन्द्र
16.	रीति और शैली	:	आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
17.	भारतीय काव्यशास्त्र, पाश्चात्य काव्यशास्त्र और हिन्दी-आलोचना	:	डॉ. रामचन्द्र तिवारी
18.	हिन्दी-आलोचना का विकास	:	नन्दकिशोर नवल
19.	हिन्दी-आलोचना : शिखरों से साक्षात्कार	:	डॉ. रामचन्द्र तिवारी
20.	हिन्दी-आलोचना	:	डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी
21.	आलोचक और आलोचना	:	डॉ. बच्चन सिंह

22.	**आलोचना के रचना-पुरुष**	:	(सं0) भारत यायावर
23.	**आचार्य रामचन्द्र शुक्ल**	:	मलयज
24.	**आचार्य रामचन्द्र शुक्ल- आलोचना का अर्थ और अर्थ की आलोचना**	:	डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी
25.	**हिन्दी आलोचना की परम्परा और आचार्य रामचन्द्र शुक्ल**	:	डॉ0 शिवकुमार मिश्र
26.	**हिन्दी आलोचना के बीज शब्द**	:	डॉ0 बच्चन सिंह

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद (उ० प्र०)

(सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम)

एम.ए.(पूर्वार्द्ध) हिन्दीसाहित्य : द्वितीय सेमेस्टर

(सन् 2018 की परीक्षा और उससे आगे के लिए)

तृतीय प्रश्नपत्र : पाश्चात्य काव्यशास्त्र

पूर्णांक 100

अंक-विभाजन : अति लघु उत्तरीय प्रश्न : दस, 20 अंक (10 × 2) लगभग 50 शब्दों में।
लघु उत्तरीय प्रश्न : पाँच, 50 अंक (5 × 10) लगभग 250 शब्दों में।
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : दो, 30 अंक (2 × 15) लगभग 500 शब्दों में।

पाठ्य विषय :

(क) पाश्चात्य काव्यशास्त्र :

प्लेटो का काव्य-सिद्धान्त : अनुकृति-सिद्धान्त।

अरस्तू की काव्य-विषयक मान्यताएँ : अनुकरण-सिद्धान्त, विरेचन-सिद्धान्त, त्रासदी-सिद्धान्त।

लॉजाइनस : उदात्त की अवधारणा।

टी. एस. इलियट- निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त, परम्परा और वैयक्तिक प्रज्ञा

(ख) आधुनिक आलोचना के प्रमुख वाद : स्वच्छन्दतावाद, शास्त्रीयतावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, संरचनावाद, विखण्डनवाद, बिम्बवाद, प्रतीकवाद, साहित्य का समाजशास्त्र।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1.	**पाश्चात्य काव्यशास्त्र**	:	प्रो. देवेन्द्रनाथ शर्मा
2.	**पाश्चात्य काव्यशास्त्र**	:	डॉ. भगीरथ मिश्र
3.	**प्लेटो के काव्य-सिद्धान्त**	:	डॉ. निर्मला जैन
4.	**अरस्तू का काव्यशास्त्र**	:	डॉ. नगेन्द्र
5.	**अस्तित्ववाद-कीर्केगार्द से कामू तक**	:	योगेन्द्र साही
6.	**पाश्चात्य समीक्षा-सिद्धान्त और वाद**	:	डॉ. सत्यदेव मिश्र
7.	**उदात्त के विषय में**	:	डॉ. निर्मला जैन
8.	**पाश्चात्य साहित्यालोचन और हिन्दी पर उसका प्रभाव**	:	डॉ. रवीन्द्रसाहाय वर्मा
9.	**पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास**	:	डॉ. तारकनाथ बाली
10.	**पाश्चात्य काव्यशास्त्र**	:	डॉ. योगेन्द्रप्रताप सिंह
11.	**नयी समीक्षा के प्रतिमान**	:	(सं0) निर्मला जैन
12.	**उत्तर आधुनिकता : स्वरूप और आयाम**	:	बैजनाथ सिंघल
13.	**त्रासदी**	:	डॉ. हरद्वारीलाल शर्मा
14.	**भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा**	:	डॉ. रामचन्द्र तिवारी

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद (उ० प्र०)

(सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम)

एम.ए.(पूर्वार्द्ध) हिन्दीसाहित्य : द्वितीय सेमेस्टर

(सन् 2018 की परीक्षा और उससे आगे के लिए)

चतुर्थ प्रश्नपत्र : भारतीय साहित्य का स्वरूप

पूर्णांक 100

अंक-विभाजन :

अति लघु उत्तरीय प्रश्न	:	दस, 20 अंक (10 × 2) लगभग 50 शब्दों में।
व्याख्या	:	तीन, 30 अंक (3 × 10)
लघु उत्तरीय प्रश्न	:	दो, 20 अंक (2 × 10) लगभग 250 शब्दों में।
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	:	दो, 30 अंक (2 × 15) लगभग 500 शब्दों में।

निर्धारित पाठ्यक्रम

(1) भारतीय साहित्य की अवधारणा, स्वरूप एवं विशेषताएँ।

(2) भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।

(3) प्रतिनिधि उपन्यास- गोरा (रवीन्द्रनाथ ठाकुर),
संस्कार (यू. आर. अनन्तमूर्ति),
आग का दरिया (क़ुर्रतुल ऐन हैदर)

(4) प्रतिनिधि नाटक- घासीराम कोतवाल (विजय तेन्दुलकर)

(5) भारतीय साहित्य : चेतना के आयाम- राष्ट्रीयता, लोकतांत्रिक चेतना, धार्मिक चेतना, मूल्यबोध, परम्पराबोध और आधुनिकता।

पाठ्यपुस्तक का नाम : भारतीय साहित्य : चुनी हुई रचनाएँ

सम्पादक : **1. प्रो० चित्तरंजन मिश्र,** अध्यक्ष-हिन्दीविभाग, दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर।
2. प्रो० अनन्त मिश्र, हिन्दीविभाग, दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर।

सन्दर्भग्रन्थ :

1.	**भारतीय साहित्य**	:	(सं०) डॉ. नगेन्द्र
2.	**मराठी भाषा और साहित्य**	:	डॉ. राजकमल बोरा
3.	**भारतीय साहित्य : स्थापनाएँ और प्रस्तावनाएँ**	:	डॉ. के. सच्चिदानन्दन
4.	**'चयनम्'**	:	साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद (उ० प्र०)

(सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम)

एम.ए.(उत्तरार्द्ध) हिन्दीसाहित्य : तृतीय सेमेस्टर

(सन् 2019 की परीक्षा और उससे आगे के लिए)

प्रथम प्रश्नपत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरम्भ से रीतिकाल तक)

पूर्णांक 100

अंक-विभाजन :

अति लघु उत्तरीय प्रश्न	:	दस, 20 अंक (10 × 2) लगभग 50 शब्दों में।
लघु उत्तरीय प्रश्न	:	पाँच, 50 अंक (5 × 10) लगभग 250 शब्दों में।
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	:	दो, 30 अंक (2 × 15) लगभग 500 शब्दों में।

पाठ्य विषय :

- साहित्येतिहास की अवधारणा।
- हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखन की परम्परा तथा मूलस्रोत।
- हिन्दी साहित्य के इतिहासलेखन की समस्याएँ।
- हिन्दी साहित्य का इतिहास : कालविभाजन और नामकरण की समस्याएँ।
- **आदिकाल**– विविध नामकरण, मुख्य साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, प्रतिनिधि रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ।
- **भक्तिकाल (पूर्व मध्यकाल)**– भक्तिकाल की सामान्य विशेषताएँ, भक्तिकाल की विभिन्न काव्यधाराएँ– निर्गुण काव्यधारा : ज्ञानाश्रयी तथा प्रेमाश्रयी धारा, सगुण काव्यधारा : कृष्णभक्तिधारा तथा रामभक्तिधारा और उनकी सामान्य प्रवृत्तियाँ। भक्तिकाल के प्रमुख कवि और उनकी रचनाओं का वैशिष्ट्य।
- **रीतिकाल (उत्तर मध्यकाल)**– नामकरण, रीतिकाल की विभिन्न धाराएँ– (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्यधारा) और उनकी प्रवृत्तियाँ, रीतिकाल के प्रतिनिधि रचनाकार व उनकी रचनाएँ।

सन्दर्भग्रन्थ :

1. **हिन्दी साहित्य का इतिहास** : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. **हिन्दी साहित्य का आदिकाल** : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. **हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास** : डॉ. रामकुमार वर्मा
4. **हिन्दी साहित्य का इतिहास** : डॉ. नगेन्द्र
5. **हिन्दी साहित्य के इतिहासों का इतिहास** : डॉ. किशोरीलाल गुप्त
6. **भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ** : डॉ. रामविलास शर्मा
7. **हिन्दी साहित्य का अतीत** : आचार्य विश्वनाथप्रसाद मिश्र
8. **हिन्दी साहित्य की भूमिका** : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

9.	हिन्दी साहित्य का उद्‌भव और विकास	: डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
10.	हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास	: डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त
11.	हिन्दी साहित्य का प्रवृत्यात्मक इतिहास	: डॉ. शिवमूर्ति शर्मा
12.	सरोज-सर्वेक्षण	: डॉ. किशोरीलाल गुप्त
13.	हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ	: डॉ. जयकिशनप्रसाद खण्डेलवाल
14.	हिन्दी साहित्य : एक परिचय	: डॉ. त्रिभुवन सिंह

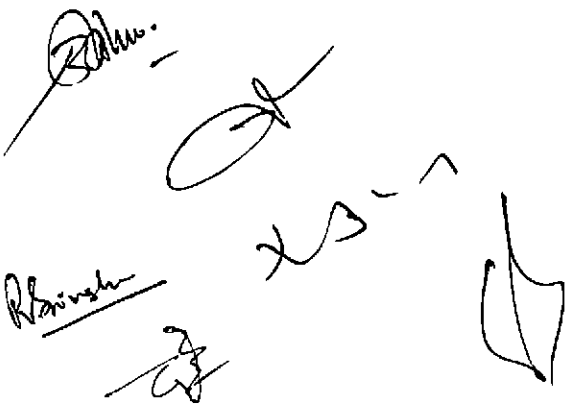

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद (उ० प्र०)

(सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम)

एम.ए.(उत्तरार्द्ध) हिन्दीसाहित्य : तृतीय सेमेस्टर

(सन् 2019 की परीक्षा और उससे आगे के लिए)

द्वितीय प्रश्नपत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास (भारतेन्दु युग से अब तक)

पूर्णांक 100

अंक-विभाजन :

अति लघु उत्तरीय प्रश्न	:	दस, 20 अंक (10 × 2) लगभग 50 शब्दों में।
लघु उत्तरीय प्रश्न	:	पाँच, 50 अंक (5 × 10) लगभग 250 शब्दों में।
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	:	दो, 30 अंक (2 × 15) लगभग 500 शब्दों में।

पाठ्य विषय :

- **आधुनिक काल–** भारतेन्दुयुग, द्विवेदीयुग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता तथा समकालीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।
- आधुनिक काल के प्रमुख कवियों एवं उनकी प्रमुख रचनाओं का परिचय।
- हिन्दी–गद्य की प्रमुख विधाओं (निबन्ध, कहानी, उपन्यास, नाटक) तथा गद्य की विविध नवीन विधाओं– रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा, यात्रावृत्त, रिपोर्ताज, डायरी, फीचर, साक्षात्कार, जीवनी, व्यंग्य आदि का परिचय।
- गद्य–साहित्य की विविध विधाओं के प्रमुख रचनाकार तथा उनकी प्रमुख रचनाएँ।
- हिन्दी–आलोचना की समकालीन विमर्श– स्त्री विमर्श, दलित विमर्श तथा आदिवासी विमर्श।

सन्दर्भग्रन्थ :

1. **आधुनिक हिन्दी साहित्य** : डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
2. **आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास** : डॉ. श्रीकृष्ण लाल
3. **हिन्दी का सामयिक साहित्य** : आचार्य विश्वनाथप्रसाद मिश्र
4. **हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास** : डॉ. बच्चन सिंह
5. **हिन्दी साहित्य : एक आधुनिक परिदृश्य** : अज्ञेय
6. **हिन्दी कथा साहित्य** : गंगाप्रसाद पाण्डेय
7. **नया साहित्य : नये प्रश्न** : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
8. **आधुनिक साहित्य** : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
9. **हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास** : डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
10. **द्वितीय महायुद्धोत्तर हिन्दी साहित्य का विकास** : डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
11. **आधुनिक हिन्दी साहित्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि** : डॉ. भोलानाथ
12. **हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास** : डॉ. सुमन राजे
13. **नारी शोषण : आइने और आयाम** : आशारानी व्होरा

14. स्त्री-उपेक्षिता : प्रभा खेतान
15. स्त्री संघर्ष का इतिहास : राधा कुमार
16. दलितसाहित्य का सौन्दर्यशास्त्र : ओमप्रकाश वाल्मीकि
17. दलित-विमर्श की भूमिका : कँवल भारती
18. दलित साहित्य सन्दर्भ : केशवदत्त रुवाली
19. परिधि पर स्त्री : मृणाल पाण्डेय
20. स्त्रीमुक्ति संघर्ष और इतिहास : रमणिका गुप्ता
21. हिन्दी काव्य में दलित काव्यधारा : माताप्रसाद
22. आधुनिक साहित्य में दलित विमर्श : देवेन्द्र चौबे
23. आधुनिक हिन्दी-साहित्य का इतिहास : डॉ0 बच्चन सिंह

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद (उ0 प्र0)

(सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम)

एम.ए.(उत्तरार्द्ध) हिन्दीसाहित्य : तृतीय सेमेस्टर

(सन् 2019 की परीक्षा और उससे आगे के लिए)

तृतीय प्रश्नपत्र : भाषाविज्ञान

पूर्णांक 100

अंक-विभाजन : अति लघु उत्तरीय प्रश्न : दस, 20 अंक (10 × 2) लगभग 50 शब्दों में।
लघु उत्तरीय प्रश्न : पाँच, 50 अंक (5 × 10) लगभग 250 शब्दों में।
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : दो, 30 अंक (2 × 15) लगभग 500 शब्दों में।

पाठ्य विषय :

(अ) भाषाविज्ञान :

- भाषाविज्ञान की परिभाषा, भाषाविज्ञान के अंग,
- भाषाविज्ञान के अध्ययन की पद्धतियाँ– वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक
- भाषाओं का वर्गीकरण–पारिवारिक, आकृतिमूलक
- भाषा की परिभाषा, भाषा के विभिन्न रूप– भाषा, विभाषा, बोली, उपबोली, लोकभाषा।
- ध्वनिविज्ञान (स्वन विज्ञान)– उच्चारण-अवयव (वागवयव), ध्वनि-वर्गीकरण, ध्वनि-परिवर्तन–कारण और दिशाएँ, ध्वनि-विश्लेषण।
- रूपविज्ञान, रूप-परिवर्तन
- अर्थविज्ञान : अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, अर्थ-परिवर्तन–कारण और दिशाएँ
- वाक्यविज्ञान- वाक्य-परिवर्तन, वाक्य के भेद, वाक्य-विश्लेषण, वाक्य-संरचना और भेद

सन्दर्भग्रन्थ :

1. **सामान्य भाषाविज्ञान** : डॉ0 बाबूराम सक्सेना
2. **भाषाविज्ञान की भूमिका** : डॉ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा
3. **भाषाविज्ञान** : डॉ0 भोलानाथ तिवारी
4. **भाषाविज्ञान** : डॉ0 श्यामसुन्दर दास
5. **भारत का भाषा-सर्वेक्षण** : डॉ0 ग्रियर्सन
6. **भाषाविज्ञान शब्द-कोश** : डॉ0 भोलानाथ तिवारी
7. **भाषाविज्ञान और भाषाशास्त्र** : डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
8. **आधुनिक भाषाविज्ञान की भूमिका** : डॉ0 मोतीलाल गुप्त
9. **भाषा-विज्ञान और हिन्दी** : डॉ0 सरयूप्रसाद अग्रवाल
10. **भाषाविज्ञान और मानक हिन्दी** : डॉ0 नरेश मिश्र
11. **भाषाविज्ञान और हिन्दी भाषा** : डॉ0 रामदरश राय
12. **अर्थविज्ञान और व्याकरण-दर्शन** : डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद (उ० प्र०)

(सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम)

एम.ए.(उत्तरार्द्ध) हिन्दीसाहित्य : तृतीय सेमेस्टर

(सन् 2019 की परीक्षा और उससे आगे के लिए)

चतुर्थ प्रश्नपत्र : हिन्दी : भाषा एवं लिपि

पूर्णांक 100

अंक-विभाजन : अति लघु उत्तरीय प्रश्न : दस, 20 अंक (10 × 2) लगभग 50 शब्दों में।
लघु उत्तरीय प्रश्न : पाँच, 50 अंक (5 × 10) लगभग 250 शब्दों में।
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : दो, 30 अंक (2 × 15) लगभग 500 शब्दों में।

पाठ्य विषय :

खण्ड (क) हिन्दी भाषा

- हिन्दी भाषा : उद्भव-विकास, क्षेत्र, विविध बोलियाँ
- हिन्दी शब्द-समूह (हिन्दी की शब्द-सम्पदा)- तत्सम, तद्भव, आगत एवं देशज शब्दावली
- हिन्दी के व्याकरणिक अवयव– संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया-विशेषण, अव्यय, उपसर्ग, परसर्ग (कारक), प्रत्यय, लिंग, वचन।

खण्ड (ख)- देवनागरी लिपि

- देवनागरी लिपि : उद्भव और विकास।
- देवनागरी लिपि : वैज्ञानिकता एवं विशेषताएँ
- देवनागरी लिपि : त्रुटियाँ और सुधार के उपाय, मानकीकरण

सन्दर्भग्रन्थ :

1. हिन्दी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास : डॉ0 सत्यनारायण त्रिपाठी
2. हिन्दी भाषा का इतिहास : डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा
3. हिन्दी : उद्भव और विकास : डॉ0 हरदेव बाहरी
4. हिन्दी भाषा : उद्भव और विकास : डॉ0 उदयनारायण तिवारी
5. हिन्दी भाषा का विकास : डॉ0 श्यामसुन्दर दास
6. हिन्दी भाषा : डॉ0 कैलाशचन्द्र भाटिया
7. हिन्दी भाषा : डॉ0 भोलानाथ तिवारी
8. हिन्दी भाषा का विकास : डॉ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा
9. नागरी लिपि और उसकी समस्याएँ : डॉ0 नरेश मिश्र
10. हिन्दी भाषा और नागरी लिपि : लक्ष्मीकान्त वर्मा
11. हिन्दी भाषा का विकास : डॉ0 शिवमूर्ति शर्मा
12. हिन्दी की शब्द-सम्पदा : डॉ0 विद्यानिवास मिश्र
13. भाषाविज्ञान और हिन्दी भाषा : डॉ0 रामदरश राय
14. हिन्दी शब्दानुशासन : डॉ0 किशोरीदास बाजपेयी
15. हिन्दी-व्याकरण : कान्ताप्रसाद गुप्त
16. सामान्य हिन्दी : डॉ0 शिवमूर्ति शर्मा
17. हिन्दी भाषा और व्याकरण : वासुदेवनन्दन प्रसाद

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद (उ० प्र०)

(सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम)

एम.ए.(उत्तरार्द्ध) हिन्दीसाहित्य : चतुर्थ सेमेस्टर

(सन् 2019 की परीक्षा और उससे आगे के लिए)

प्रथम प्रश्नपत्र : आधुनिक काव्य (छायावाद तक)

पूर्णांक 100

अंक-विभाजन :

अति लघु उत्तरीय प्रश्न	:	दस, 20 अंक (10 × 2) लगभग 50 शब्दों में।
व्याख्या	:	तीन, 30 अंक (3 × 10)
लघु उत्तरीय प्रश्न	:	दो, 20 अंक (2 × 10) लगभग 250 शब्दों में।
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	:	दो, 30 अंक (2 × 15) लगभग 500 शब्दों में।

निर्धारित कवि और काव्य :

1. मैथिलीशरण गुप्त	:	'साकेत' से एक सर्ग
2. जयशंकर प्रसाद	:	'कामायनी' से एक सर्ग
3. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'	:	दो कविताएँ
4. सुमित्रानन्दन पन्त	:	तीन कविताएँ

पाठ्यपुस्तक : आधुनिक काव्य : प्रतिनिधि रचनाएँ

सम्पादक : 1. **डॉ0 दुर्गाप्रसाद ओझा,** प्राचार्य, हेमवतीनन्दन बहुगुणा पी0जी0 कालेज, लालगंज, प्रतापगढ़।
2. **डॉ0 राजेश मल्ल,** हिन्दीविभाग, जवाहरलाल नेहरू स्मा. पी.जी. कालेज, बाराबंकी।

द्रुत-पाठ हेतु – **महादेवी वर्मा** तथा **हरिवंशराय 'बच्चन'** का अध्ययन अपेक्षित होगा। इन पर केवल लघु उत्तरीय प्रश्न ही पूछे जायेंगे।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से और व्याख्या तथा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न केवल मूलपाठ से पूछा जायेगा।

सन्दर्भ-ग्रन्थ :

1.	**हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी**	:	आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
2.	**हिन्दी साहित्य : आधुनिक परिदृश्य**	:	अज्ञेय
3.	**आधुनिक साहित्य**	:	आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
4.	**आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ**	:	डॉ0 नामवर सिंह
5.	**छायावाद**	:	डॉ0 नामवर सिंह
6.	**छायावाद : विश्लेषण और मूल्यांकन**	:	डॉ0 दीनानाथशरण
7.	**छायावादी कवि और काव्य**	:	डॉ0 श्रीदेवी खरे
8.	**छायावादी कवियों का सौन्दर्य-विधान**	:	डॉ0 सूर्यप्रसाद दीक्षित
9.	**छायावाद का काव्य-शिल्प**	:	डॉ0 प्रतिमा कृष्णबल
10.	**छायावाद का सौन्दर्यशास्त्रीय अध्ययन**	:	डॉ0 कुमार विमल

11.	**मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्तित्व और काव्य**	:	डॉ0 कमलाकान्त पाठक
12.	**साकेत : रूप-स्वरूप**	:	डॉ शिवमूर्ति शर्मा
13.	**मैथिलीशरण गुप्त : कवि और भारतीय संस्कृति के आख्याता**	:	डॉ0 उमाकान्त
14.	**खड़ी बोली के उत्कर्ष में मैथिलीशरण गुप्त का योगदान**	:	डॉ0 सहदेव शर्मा
15.	**साकेत : एक अध्ययन**	:	डॉ0 नगेन्द्र
16.	**प्रसाद का काव्य**	:	डॉ0 प्रेमशंकर
17.	**जयशंकर प्रसाद : वस्तु और कला**	:	डॉ0 रामेश्वरलाल खण्डेलवाल
18.	**कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन**	:	डॉ0 द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
19.	**कामायनी का शैली वैज्ञानिक अध्ययन**	:	प्रो0 सुरेन्द्र दुबे
20.	**कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ**	:	डॉ0 नगेन्द्र
21.	**भारतीय महाकाव्यों की परम्परा में कामायनी**	:	डॉ0 विद्या टोपा
22.	**जयशंकर प्रसाद**	:	आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
23.	**महाप्राण निराला**	:	डॉ0 गंगाप्रसाद पाण्डेय
24.	**निराला की साहित्य-साधना**	:	डॉ0 रामविलास शर्मा
25.	**विश्व-कवि निराला**	:	डॉ0 बुद्धसेन नीहार
26.	**क्रान्तिकारी कवि निराला**	:	डॉ0 बच्चन सिंह
27.	**कवि निराला**	:	आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
28.	**निराला : आत्महंता आस्था**	:	डॉ0 दूधनाथ सिंह
29.	**निराला**	:	डॉ0 परमानन्द श्रीवास्तव
30.	**प्रसाद, निराला और अज्ञेय**	:	डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी
31.	**सुमित्रानन्दन पन्त**	:	(सं0) सदानन्दप्रसाद गुप्त
32.	**सुमित्रानन्दन पन्त**	:	डॉ0 नगेन्द्र
33.	**ज्योति-विहग**	:	शान्तिप्रिय द्विवेदी
34.	**पन्त का काव्य**	:	डॉ0 प्रेमलता बाफना
35.	**सुमित्रानन्दन पन्त : जीवन और साहित्य**	:	डॉ0 शान्ति जोशी
36.	**पन्त, प्रसाद और मैथिलीशरण गुप्त**	:	डॉ0 रामधारी सिंह 'दिनकर'
37.	**त्रयी**	:	आचार्य जानकीबल्लभ शास्त्री
38.	**प्रसाद, निराला, अज्ञेय**	:	डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी
39.	**साकेत : एक अध्ययन**	:	डॉ0 नगेन्द्र

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद (उ० प्र०)

(सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम)

एम.ए.(उत्तरार्द्ध) हिन्दीसाहित्य : चतुर्थ सेमेस्टर

(सन् 2019 की परीक्षा और उससे आगे के लिए)

द्वितीय प्रश्नपत्र : छायावादोत्तर काव्य

पूर्णांक 100

अंक-विभाजन :

अति लघु उत्तरीय प्रश्न	:	दस, 20 अंक (10 × 2) लगभग 50 शब्दों में।
व्याख्या	:	तीन, 30 अंक (3 × 10)
लघु उत्तरीय प्रश्न	:	दो, 20 अंक (2 × 10) लगभग 250 शब्दों में।
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	:	दो, 30 अंक (2 × 15) लगभग 500 शब्दों में।

निर्धारित कवि और काव्य :

1. सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'	:	'असाध्यवीणा' कविता
2. गजानन माधव मुक्तिबोध	:	'अँधेरे में' कविता
3. नागार्जुन	:	चार कविताएँ
4. सुदामाप्रसाद पाण्डेय 'धूमिल'	:	तीन कविताएँ

पाठ्यपुस्तक : छायावादोत्तर काव्य : प्रतिनिधि रचनाएँ

सम्पादक : 1. डॉ0 दुर्गाप्रसाद ओझा, प्राचार्य, हेमवतीनन्दन बहुगुणा पी0जी0 कालेज, लालगंज, प्रतापगढ़।
2. प्रो0 अनिल राय, हिन्दीविभाग, दी0 द0 उ0 गोरखपुर वि0 वि0, गोरखपुर।

द्रुत-पाठ हेतु – **नरेश मेहता, धर्मवीर भारती** तथा **शमशेरबहादुर सिंह** का अध्ययन अपेक्षित होगा। इन पर केवल लघु उत्तरीय प्रश्न ही पूछे जायेंगे।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से और व्याख्या तथा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न केवल मूलपाठ से पूछा जायेगा।

सन्दर्भ-ग्रन्थ :

1. कविता के नये प्रतिमान	:	डॉ0 नामवर सिंह
2. चालीसोत्तर हिन्दी कविता के हीरक हस्ताक्षर	:	डॉ0 दुर्गाप्रसाद ओझा, डॉ0 मधु खन्ना डॉ0 इला सुकुमार
3. अज्ञेय : व्यक्तित्व-विभास	:	डॉ0 दुर्गाप्रसाद ओझा
4. अज्ञेय कवि	:	डॉ0 ओमप्रकाश अवस्थी
5. अज्ञेय की कविता	:	डॉ0 चन्द्रकान्त वान्दिवडेकर
6. अज्ञेय सृजन और सन्दर्भ	:	डॉ0 सावित्री मिश्र
7. अज्ञेय : चेतना के सीमान्त	:	डॉ0 ज्वालाप्रसाद खेतान
8. अज्ञेय साहित्य : प्रयोग और मूल्यांकन	:	डॉ0 केदारनाथ शमा
9. पंत सहचर	:	अशोक वाजपेयी

10.	**मुक्तिबोध**	:	डॉ0 विश्वनाथप्रसाद तिवारी
11.	**मुक्तिबोध : विचारक, कवि और कथाकार**	:	डॉ0 सुरेन्द्रप्रताप
12.	**मुक्तिबोध**	:	डॉ0 लक्ष्मणदत्त गौतम
13.	**मुक्तिबोध की काव्य-कला**	:	डॉ0 अचला तिवारी
14.	**मुक्तिबोध : युगचेतना और अभिव्यक्ति**	:	डॉ0 आलोक गुप्त
15.	**आत्मसंघर्ष की कविता और मुक्तिबोध**	:	डॉ0 हंसराज त्रिपाठी
16.	**अज्ञेय कवि**	:	डॉ0 ओमप्रकाश अवस्थी
17.	**कवियों का कवि शमशेर**	:	रंजना अरगड़े
18.	**नागार्जुन की काव्ययात्रा**	:	डॉ0 रतनकुमार पाण्डेय
19.	**फिलहाल**	:	अशोक वाजपेयी
20.	**डॉ0 धर्मवीर भारती : व्यक्ति और साहित्यकार**	:	पुष्पा भास्कर

■

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद (उ0 प्र0)

(सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम)

एम.ए.(उत्तरार्द्ध) हिन्दीसाहित्य : चतुर्थ सेमेस्टर

(सन् 2019 की परीक्षा और उससे आगे के लिए)

तृतीय प्रश्नपत्र : विशेष अध्ययन

(विशेष : निम्नलिखित में से मात्र किसी एक का विशेष अध्ययन अपेक्षित है।)

पूर्णांक 100

1. कबीरदास

अंक-विभाजन :

अति लघु उत्तरीय प्रश्न	:	दस, 20 अंक (10 × 2)	लगभग 50 शब्दों में।
व्याख्या	:	तीन, 30 अंक (3 × 10)	
लघु उत्तरीय प्रश्न	:	दो, 20 अंक (2 × 10)	लगभग 250 शब्दों में।
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	:	दो, 30 अंक (2 × 15)	लगभग 500 शब्दों में।

कबीर-ग्रन्थावली : सम्पादक- डॉ0 श्यामसुन्दर दास
(सम्पूर्ण साखी भाग तथा प्रारम्भिक 50 पद)

सन्दर्भ-ग्रन्थ :

1.	**निर्गुण काव्यधारा**	:	डॉ0 पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल
2.	**उत्तरी भारत की सन्त-परम्परा**	:	पं0 परशुराम चतुर्वेदी
3.	**कबीर-ग्रन्थावली (भूमिका मात्र)**	:	डॉ0 माताप्रसाद गुप्त
4.	**कबीर का रहस्यवाद**	:	डॉ0 रामकुमार वर्मा
5.	**कबीर-साहित्य-चिन्तन**	:	पं0 परशुराम चतुर्वेदी
6.	**कबीर और कबीर-पन्थ**	:	डॉ0 केदारनाथ द्विवेदी
7.	**हिन्दी-सन्तसाहित्य**	:	डॉ0 त्रिलोकीनारायण दीक्षित
8.	**हिन्दी-सन्तकाव्य में प्रतीक-विधान**	:	डॉ0 देवेन्द्र आर्य
9.	**कबीर-काव्य की परख**	:	पं0 परशुराम चतुर्वेदी
10.	**कबीर**	:	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
11.	**सन्त-साहित्य के प्रेरणा-स्रोत**	:	पं0 परशुराम चतुर्वेदी
12.	**कबीर एण्ड दि कबीर-पन्थ**	:	डब्ल्यू0 एच0 वेस्टकॉट
13.	**हिन्दी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय**	:	डॉ0 पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल
14.	**कबीर-कोश**	:	पं0 परशुराम चतुर्वेदी
15.	**कबीर-मीमांसा**	:	डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
16.	**सन्त-साहित्य**	:	डॉ0 प्रेमनारायण शुक्ल
17.	**कबीर: व्यक्तित्व, कृतित्व एवं सिद्धान्त**	:	डॉ0 सरनाथ सिंह शर्मा
18.	**कबीर तथा गांधी के विचारों का तुलनात्मक अध्ययन**	:	डॉ0 रामजीलाल सहायक
19.	**कबीर-ग्रन्थावली की भाषा**	:	डॉ0 विन्दुमाधव
20.	**कबीर और जायसी**	:	डॉ0 शिवमूर्ति शर्मा

2. मलिक मुहम्मद जायसी

अंक-विभाजन : अति लघु उत्तरीय प्रश्न : दस, 20 अंक (10 × 2) लगभग 50 शब्दों में।
व्याख्या : तीन, 30 अंक (3 × 10)
लघु उत्तरीय प्रश्न : दो, 20 अंक (2 × 10) लगभग 250 शब्दों में।
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : दो, 30 अंक (2 × 15) लगभग 500 शब्दों में।

जायसी-ग्रन्थावली : सम्पादक - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

सन्दर्भ-ग्रन्थ :

1.	**जायसी-ग्रन्थावली (भूमिका)**	:	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2.	**पदमावत (भूमिका)**	:	डॉ0 वासुदेवशरण अग्रवाल
3.	**हिन्दी के सूफी प्रेमाख्यान**	:	पं0 परशुराम चतुर्वेदी
4.	**तसव्वुफ अथवा सूफीमत**	:	पं0 चन्द्रबली पाण्डेय
5.	**हिन्दी-प्रेमाख्यान**	:	डॉ0 हरिकान्त श्रीवास्तव
6.	**जायसी**	:	डॉ0 रामपूजन तिवारी
7.	**पदमावत संजीवनी भाष्य**	:	डॉ0 वासुदेवशरण अग्रवाल
8.	**हिन्दी सूफी-काव्य की भूमिका**	:	डॉ0 रामपूजन तिवारी
9.	**हिन्दी प्रेमाख्यान**	:	डॉ0 कमल कुलश्रेष्ठ
10.	**सूफीमत और हिन्दी साहित्य**	:	डॉ0 विमलकुमार जैन
11.	**कबीर और जायसी**	:	डॉ0 शिवमूर्ति शर्मा
12.	**हिन्दी सूफीकाव्य का समग्र अनुशीलन**	:	डॉ0 शिवसहाय पाठक
13.	**जायसी**	:	डॉ0 विजयदेवनारायण शाही
14.	**पदमावत का काव्य-सौन्दर्य**	:	डॉ0 शिवसहाय पाठक
15.	**जायसी के परवर्ती कवि और काव्य**	:	डॉ0 सरला शुक्ल
16.	**पदमावत का काव्य-सौन्दर्य**	:	डॉ0 जगदीश सहाय
17.	**मध्ययुगीन प्रेमाख्यान**	:	डॉ0 श्याममनोहर पाण्डेय

3. सूरदास

अंक-विभाजन : अति लघु उत्तरीय प्रश्न : दस, 20 अंक (10 × 2) लगभग 50 शब्दों में।
व्याख्या : तीन, 30 अंक (3 × 10)
लघु उत्तरीय प्रश्न : दो, 20 अंक (2 × 10) लगभग 250 शब्दों में।
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : दो, 30 अंक (2 × 15) लगभग 500 शब्दों में।

'सूरसागर' (भाग 1 तथा 2) : नागरी प्रचारिणी सभा संस्करण

सन्दर्भ-ग्रन्थ :

1.	**अष्टछाप और वल्लभ-सम्प्रदाय**	:	डॉ0 दीनदयाल गुप्त
2.	**सूरदास**	:	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
3.	**महाकवि सूरदास**	:	आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
4.	**सूर और उनका साहित्य**	:	डॉ0 हरबंशलाल शर्मा
5.	**भारतीय साधना और सूर-साहित्य**	:	डॉ0 मुंशीराम शर्मा
6.	**सूरदास**	:	डॉ0 ब्रजेश्वर वर्मा
7.	**सूर की काव्यकला**	:	डॉ0 मनमोहन गौतम
8.	**सूर-साहित्य**	:	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
9.	**सूर-निर्णय**	:	डॉ0 प्रभुदयाल मीतल

10.	**सूर की काव्य-साधना**	:	डॉ0 गोविन्दराम शर्मा
11.	**श्रीमद्भागवत और सूरसागर : वर्ण्य-विषय का तुलनात्मक अध्ययन**	:	डॉ0 वेदप्रकाश शास्त्री
12.	**सूर : व्यक्तित्व एवं कृतित्व**	:	डॉ0 वेदप्रकाश आर्य
13.	**सूर का शृंगार-वर्णन**	:	डॉ0 रमाशंकर तिवारी
14.	**सूर की काव्य-माधुरी**	:	डॉ0 रमाशंकर तिवारी
15.	**सूर-काव्य-मीमांसा**	:	डॉ0 हौसिलाप्रसाद सिंह
16.	**सूर-काव्य-विमर्श**	:	डॉ0 राधिकाप्रसाद त्रिपाठी
17.	**सूर : सन्दर्भ और समीक्षा**	:	डॉ0 त्रिभुवन सिंह
18.	**सूरसाहित्य में पुष्टिमार्गीय सेवा-भावना**	:	डॉ0 धर्मनारायण ओझा

4. तुलसीदास

अंक-विभाजन :

अति लघु उत्तरीय प्रश्न	:	दस, 20 अंक (10 × 2) लगभग 50 शब्दों में।
व्याख्या	:	तीन, 30 अंक (3 × 10)
लघु उत्तरीय प्रश्न	:	दो, 20 अंक (2 × 10) लगभग 250 शब्दों में।
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	:	दो, 30 अंक (2 × 15) लगभग 500 शब्दों में।

तुलसी-ग्रन्थावली : नागरी प्रचारिणी सभा संस्करण
(व्याख्या-केवल रामचरितमानस, विनयपत्रिका और कवितावली से)

सन्दर्भ-ग्रन्थ :

1.	**गोस्वामी तुलसीदास**	:	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2.	**तुलसी और उनका काव्य**	:	पं0 रामनरेश त्रिपाठी
3.	**तुलसी और उनका युग**	:	डॉ0 राजपति दीक्षित
4.	**तुलसी का काव्य-दर्शन**	:	डॉ0 चन्द्रभूषण तिवारी
5.	**रामकथा: उद्भव और विकास**	:	डॉ0 कामिल बुल्के
6.	**तुलसीदास**	:	डॉ0 माताप्रसाद गुप्त
7.	**मानस की रामकथा**	:	पं0 परशुराम चतुर्वेदी
8.	**तुलसी-दर्शन**	:	डॉ0 बलदेवप्रसाद मिश्र
9.	**तुलसी-काव्य-मीमांसा**	:	डॉ0 उदयभानु सिंह
10.	**तुलसी-दर्शन-मीमांसा**	:	डॉ0 उदयभानु सिंह
11.	**तुलसी के काव्य में नैतिक मूल्य**	:	डॉ0 हरिश्चन्द्र वर्मा
12.	**रामकाव्य-परम्परा: अनुसंधान और अनुशीलन**	:	डॉ0 भगवतीप्रसाद सिंह
13.	**राम-भक्ति में रसिक सम्प्रदाय**	:	डॉ0 भगवतीप्रसाद सिंह
14.	**तुलसी : सन्दर्भ और समीक्षा**	:	डॉ0 केशवप्रसाद सिंह
15.	**तुलसीदास की भाषा**	:	डॉ0 देवकीनन्दन श्रीवास्तव
16.	**तुलसी-मानस : आस्था का अर्थ**	:	डॉ0 सूर्यप्रसाद दीक्षित
17.	**तुलसी-तितीर्षा**	:	डॉ0 रामशंकर त्रिपाठी
18.	**रामचरितमानस का तुलनात्मक अध्ययन**	:	डॉ0 नगेन्द्र
19.	**मानस में रीति-तत्त्व**	:	डॉ0 बैजनाथ सिंह
20.	**रामचरितमानस में अलंकार-योजना**	:	डॉ0 वचनदेवकुमार
21.	**रामचरितमानस में भक्ति**	:	डॉ0 सत्यनारायण शर्मा

22.	**रामचरितमानस का काव्यसौष्ठव**	:	डॉ0 राजकुमार पाण्डेय
23.	**रामचरितमानस और वाल्मीकि रामायण (अनू0)**	:	डॉ0 राधिकाप्रसाद त्रिपाठी
24.	**मानस-पीयूष**	:	महात्मा अंजनीनन्दनशरण

5. जयशंकर प्रसाद

अंक-विभाजन :

अति लघु उत्तरीय प्रश्न	:	दस, 20 अंक (10 × 2) लगभग 50 शब्दों में।
व्याख्या	:	तीन, 30 अंक (3 × 10)
लघु उत्तरीय प्रश्न	:	दो, 20 अंक (2 × 10) लगभग 250 शब्दों में।
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	:	दो, 30 अंक (2 × 15) लगभग 500 शब्दों में।

प्रसाद-ग्रन्थावली: सम्पादक- रत्नशंकर प्रसाद
(व्याख्या- केवल कामायनी, लहर तथा चन्द्रगुप्त एवं स्कन्दगुप्त से)

सन्दर्भ-ग्रन्थ :

1.	**प्रसाद का काव्य**	:	डॉ0 प्रेमशंकर
2.	**जयशंकर प्रसाद**	:	आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
3.	**प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन**	:	डॉ0 जगन्नाथप्रसाद शर्मा
4.	**जयशंकर प्रसाद : वस्तु और कला**	:	डॉ0 रामेश्वरलाल खण्डेलवाल
5.	**प्रसाद के काव्य का शास्त्रीय अध्ययन**	:	डॉ0 सुरेन्द्रनाथ सिंह
6.	**प्रसाद के नाटक और भाषिक चेतना**	:	डॉ0 गोविन्द चातक
7.	**प्रसाद के नाटक और रंग-शिल्प**	:	डॉ0 गोविन्द चातक
8.	**जयशंकर प्रसाद के ऐतिहासिक नाटक**	:	डॉ0 जगदीशचन्द्र जोशी
9.	**प्रसाद का गद्य**	:	डॉ0 सूर्यप्रसाद दीक्षित
10.	**प्रसाद के नारी-चरित्र**	:	डॉ0 देवेश ठाकुर
11.	**प्रसाद का सौन्दर्य-दर्शन**	:	डॉ0 वीणा माथुर
12.	**प्रसाद की विचारधारा**	:	डॉ0 दिनेश्वर प्रसाद
13.	**प्रसाद साहित्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि**	:	डॉ0 प्रेमदत्त शर्मा
14.	**प्रसाद साहित्य : प्रेम-तात्त्विक दृष्टि**	:	डॉ0 प्रभाकर श्रोत्रिय
15.	**प्रसाद-साहित्य में मनोभावों का विश्लेषण**	:	डॉ0 इन्दुप्रभा पाराशर
16.	**कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ**	:	डॉ0 नगेन्द्र
17.	**कामायनी-अनुशीलन**	:	डॉ0 रामलाल सिंह
18.	**कामायनी-सौन्दर्य**	:	डॉ0 फतह सिंह
19.	**भारतीय महाकाव्यों की परम्परा में कामायनी**	:	डॉ0 विद्या टोपे
20.	**कामायनी : प्रेरणा और परिपाक**	:	डॉ0 रमाशंकर तिवारी
21.	**कामायनी पर वैदिक साहित्य का प्रभाव**	:	डॉ0 कर्ण सिंह

6. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

अंक-विभाजन :

अति लघु उत्तरीय प्रश्न	:	दस, 20 अंक (10 × 2) लगभग 50 शब्दों में।
व्याख्या	:	तीन, 30 अंक (3 × 10)
लघु उत्तरीय प्रश्न	:	दो, 20 अंक (2 × 10) लगभग 250 शब्दों में।
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	:	दो, 30 अंक (2 × 15) लगभग 500 शब्दों में।

निराला-ग्रन्थावली (तीन खण्ड): सम्पादक- ओंकार शरद
(पठनीय-केवल काव्यधारा, साहित्य-पथ तथा परिशिष्ट भाग)

सन्दर्भ-ग्रन्थ :

1.	**कवि निराला**	:	आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
2.	**क्रान्तिकारी कवि निराला**	:	डॉ0 बच्चन सिंह
3.	**निराला की साहित्य-साधना (तीन भागों में)**	:	डॉ0 रामविलास शर्मा
4.	**महाप्राण निराला**	:	डॉ0 गंगाप्रसाद पाण्डेय
5.	**निराला : आत्महन्ता-आस्था**	:	डॉ0 दूधनाथ सिंह
6.	**निराला-काव्य का अध्ययन**	:	डॉ0 भगीरथ मिश्र
7.	**निराला : व्यक्तित्व एवं कृतित्व**	:	डॉ0 प्रेमनारायण टण्डन
8.	**निराला**	:	ओंकार शरद
9.	**निराला : साहित्य-सन्दर्भ**	:	डॉ0 प्रभात शास्त्री
10.	**निराला के काव्य में बिम्ब और प्रतीक**	:	डॉ0 वेदव्रत शर्मा
11.	**निराला : साहित्य और युग-दर्शन**	:	डॉ0 शिवशेखर द्विवेदी
12.	**छायावाद का सौन्दर्यशास्त्रीय अध्ययन**	:	डॉ0 कुमार विमल
13.	**निराला का गद्य**	:	डॉ0 सूर्यप्रसाद दीक्षित
14.	**छायावादी काव्य में सौन्दर्य-विधान**	:	डॉ0 सूर्यप्रसाद दीक्षित
15.	**छायावादी काव्य में लोकमंगल**	:	डॉ0 अम्बादत्त पाण्डेय

7. प्रेमचन्द

अंक-विभाजन :

अति लघु उत्तरीय प्रश्न	:	दस, 20 अंक (10 × 2) लगभग 50 शब्दों में।
व्याख्या	:	तीन, 30 अंक (3 × 10)
लघु उत्तरीय प्रश्न	:	दो, 20 अंक (2 × 10) लगभग 250 शब्दों में।
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	:	दो, 30 अंक (2 × 15) लगभग 500 शब्दों में।

-प्रेमचन्द-ग्रन्थावली: सम्पादक- अमृतराय
(व्याख्या-केवल उपन्यासों से- गोदान, रंगभूमि, कर्मभूमि तथा गबन)

सन्दर्भ-ग्रन्थ :

1.	**प्रेमचन्द और उनका युग**	:	डॉ0 रामविलास शर्मा
2.	**प्रेमचन्द**	:	डॉ0 इन्द्रनाथ मदान
3.	**प्रेमचन्द : एक कृती व्यक्तित्व**	:	जैनेन्द्रकुमार
4.	**प्रेमचन्द : व्यक्ति और साहित्यकार**	:	मन्मथनाथ गुप्त
5.	**प्रेमचन्द : जीवन कृतित्व एवं कला**	:	हंसराज रहबर
6.	**प्रेमचन्द : कलम का सिपाही**	:	अमृतराय
7.	**प्रेमचन्द : घर में**	:	शिवरानी देवी
8.	**कलाकार प्रेमचन्द**	:	डॉ0 रामरतन भटनागर
9.	**प्रेमचन्द के जीवन-दर्शन के विधायक तत्त्व**	:	डॉ0 कृष्णचन्द्र पाण्डेय
10.	**प्रेमचन्द और गोर्की**	:	शचीरानी गुर्टू
11.	**प्रेमचन्द और उनकी कहानी-कला**	:	डॉ0 सत्येन्द्र

12.	**गोदान के अध्ययन की समस्याएँ**	:	डॉ0 गोपाल राय
13.	**प्रेमचन्द और गोदान**	:	डॉ0 श्रीराम वशिष्ठ
14.	**गोदान**	:	डॉ0 इन्द्रनाथ मदान
15.	**प्रेमचन्द के उपन्यासों में शिल्प-विधान**	:	डॉ0 कमल किशोर गोयनका
16.	**परिस्थितियों का परिपालन**	:	डॉ0 सरोज प्रसाद
17.	**प्रेमचन्द साहित्य : व्यक्ति और समाज**	:	डॉ0 उषा पुरी
18.	**प्रेमचन्द साहित्य में ग्राम्य जीवन**	:	डॉ0 सुभद्रा
19.	**प्रेमचन्द के नारी पात्र**	:	डॉ0 भारत सिंह
20.	**गोदान का पुनर्मूल्यांकन**	:	डॉ0 राजपाल

8. लोक-साहित्य

अंक-विभाजन : अति लघु उत्तरीय प्रश्न : दस, 20 अंक (10 × 2) लगभग 50 शब्दों में।
लघु उत्तरीय प्रश्न : पाँच, 50 अंक (5 × 10) लगभग 250 शब्दों में।
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : दो, 30 अंक (2 × 15) लगभग 500 शब्दों में।

पाठ्यविषय :

- लोकवार्ता : परिभाषा और प्रकृति, लोकवार्ता का क्षेत्र और महत्त्व।
- लोकसाहित्य की परिभाषा, लोकसाहित्य और नागर-साहित्य में अन्तर, लोकसाहित्य की प्रमुख विशेषताएँ।
- लोकसाहित्य के विविध रूपों का वर्गीकरण : लोकगीत, लोककथा, लोकनाट्य, लोकगाथा, लोकसुभाषित, लोकपहेली, लोकोक्तियाँ एवं मुहावरे।
- लोकगीत के विभिन्न रूपों का सोदाहरण विवेचन : संस्कारगीत, ऋतु एवं उत्सवगीत, जातिगीत, व्रतगीत
- लोककथा के विभिन्न रूप : लोकगीत और लोककथा में अन्तर, अवधी की प्रमुख लोककथाओं-लोकगाथाओं का परिचय
- लोकनाट्य के प्रमुख भेद : अवधी के प्रमुख नाटकों का परिचय।
- लोकसुभाषित की परम्परा, भेद एवं महत्त्व
- लोकपहेलियाँ : सोदाहरण विवेचन एवं महत्त्व।
- भारत में लोकसाहित्य के अध्ययन का इतिहास, हिन्दी-साहित्य एवं भाषा के विकास में लोकसाहित्य का योगदान, लोकसाहित्य का सांस्कृतिक एवं सामाजिक महत्त्व।
- लोकसाहित्य के अध्येताओं का प्रदेय, लोकसाहित्य के संकलन में आनेवाली कठिनाइयाँ एवं उसके निवारण का उपाय।

सन्दर्भ ग्रन्थ

1.	**अवधी-ग्रन्थावली**	:	(सं0) जगदीश पीयूष (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
2.	**लोकसाहित्य के प्रतिमान**	:	डॉ0 कुन्दनलाल उप्रेती (ना0 प्र0 स0, काशी)
3.	**भारतीय लोकसाहित्य**	:	डॉ0 श्याम परमार
4.	**अवधी का लोकसाहित्य**	:	डॉ0 सरोजनी रोहतगी
5.	**लोकसाहित्य-विज्ञान**	:	डॉ0 सत्येन्द्र
6.	**लोकजीवन और साहित्य**	:	डॉ0 रामविलास शर्मा
7.	**लोकसाहित्य विमर्श**	:	डॉ0 दिनेश्वर प्रसाद
8.	**हिन्दी-साहित्य का वृहत इतिहास, 16वाँ भाग**	:	डॉ0 कृष्णदेव उपाध्याय
9.	**अवध-अवधी : विविध आयाम**	:	(स0) डॉ0 रामशंकर त्रिपाठी

9. हिन्दी पत्रकारिता

अंक-विभाजन : अति लघु उत्तरीय प्रश्न : दस, 20 अंक (10 × 2) लगभग 50 शब्दों में।
लघु उत्तरीय प्रश्न : पाँच, 50 अंक (5 × 10) लगभग 250 शब्दों में।
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : दो, 30 अंक (2 × 15) लगभग 500 शब्दों में।

पाठ्यविषय :

खण्ड-(क)

- पत्रकारिता की अवधारणा, पत्रकारिता के प्रमुख प्रकार, पत्रकारिता के उद्देश्य, पत्रकारिता के मूल तत्त्व।
- सम्पादन-कला के सामान्य सिद्धान्त, सम्पादक के गुण, सम्पादकीय का महत्त्व।
- भेंटवार्ता और फीचर लेखन के प्रकार तथा उनकी प्रविधि
- रिपोर्टिंग और सम्पादन की प्रक्रिया तथा विविध प्रकार।
- प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया, इलेक्ट्रानिक माध्यम और हिन्दी पत्रकारिता
- सूचना तथा कानून :
  (क) प्रसार भारती
  (ख) श्रमजीवी पत्रकार कानून
  (ग) प्रेस कमीशन
  (घ) प्रेस स्वतन्त्रता सम्बन्धी अद्यतन कानून
  (ङ) प्रेस-सम्बन्धी आचार संहिता

खण्ड (ख)

- हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव और विकास
- हिन्दी के प्रमुख पत्र : उदन्त मार्तण्ड, कवि वचनसुधा, हिन्दी प्रदीप, ब्राह्मण, सरस्वती, कर्मवीर, हंस, मतवाला, धर्मयुग तथा दिनमान

  प्रमुख सम्पादक : युगल किशोर सुकुल, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, बालकृष्ण भट्ट, प्रतापनारायण मिश्र, आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी, बालकृष्ण भट्ट, बालमुकुन्द गुप्त, बाबूराव विष्णुराव पराड़कर, अज्ञेय, धर्मवीर भारती तथा रघुवीर सहाय।
- हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता।
- हिन्दी पत्रकारिता के वर्तमान सन्दर्भ, प्रवृत्तियाँ और समस्याएँ।

सन्दर्भ ग्रन्थ

1.	**हिन्दी पत्रकारिता**	:	डॉ0 कृष्णबिहारी मिश्र
2.	**पत्रकारिता के विविध रूप**	:	डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
3.	**समकालीन पत्रकारिता**	:	(सं0) राजकिशोर
4.	**हिन्दी पत्रकारिता के युग निर्माता**	:	डॉ0 लक्ष्मीशंकर व्यास
5.	**पत्रकारिता के विविध सन्दर्भ**	:	डॉ0 वंशीधर लाल
6.	**भारत में प्रेस कानून और पत्रकारिता**	:	गंगा प्रसाद ठाकुर
7.	**हिन्दी पत्रकारिता, विविध आयाम**	:	डॉ0 वेदप्रताप वैदिक
8.	**हिन्दी पत्रकारिता का वृहद् इतिहास**	:	डॉ0 अर्जुन तिवारी
9.	**इतिहास निर्माता पत्रकार**	:	डॉ0 अर्जुन तिवारी
10.	**हिन्दी पत्रकारिता : आलोचनात्मक इतिहास**	:	डॉ0 रमेशकुमार जैन
11.	**प्रेस विधि**	:	डॉ0 नन्दकिशोर त्रिखा
12.	**समाचार संकलन तथा सम्पादन**	:	डॉ0 रमेश जैन
13.	**समाचार-पत्र और सम्पादन कला**	:	अम्बिकाप्रसाद बाजपेयी
14.	**जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता**	:	डॉ0 अर्जुन तिवारी

10. प्रयोजनमूलक हिन्दी

अंक-विभाजन : अति लघु उत्तरीय प्रश्न : दस, 20 अंक (10 × 2) लगभग 50 शब्दों में।
लघु उत्तरीय प्रश्न : पाँच, 50 अंक (5 × 10) लगभग 250 शब्दों में।
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न : दो, 30 अंक (2 × 15) लगभग 500 शब्दों में।

पाठ्यविषय :

- प्रयोजनमूलक हिन्दी : परिभाषा, स्वरूप एवं क्षेत्र, प्रयोजनमूलक हिन्दी का प्रयोजन एवं उसकी उपयोगिता।
- हिन्दी के विभिन्न रूप : बोलचाल की भाषा, सम्पर्क भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संचारभाषा, सर्जनात्मक भाषा, संविधान में हिन्दी
- पारिभाषिक शब्दावली, हिन्दी शब्द-सम्पदा।
- पत्रकारिता : पत्रकारिता का स्वरूप और प्रकार, हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव और विकास, सम्पादकीय लेखन, पत्रकार के गुण, समाचार लेखन-कला।
- पत्राचार : पत्राचार के प्रकार : व्यावहारिक पत्र, सरकारी पत्राचार, कार्यालयी पत्र, व्यावसायिक पत्र, कार्यालयी हिन्दी : संक्षेपण, पल्लवन, प्रारूपण, टिप्पण
- सम्पादन कला : प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रानिक मीडिया, फीचर लेखन, रिपोर्ताज, पृष्ठ सज्जा एवं प्रस्तुतीकरण
- प्रमुख जन संचार माध्यम : प्रेस, रेडियो, टी. वी., इण्टरनेट, वीडियो
- अनुवाद : स्वरूप एवं प्रक्रिया, प्रकार : कार्यालयी अनुवाद वैज्ञानिक अनुवाद, तकनीकी अनुवाद, वाणिज्यिक अनुवाद, विधिक अनुवाद, आशु अनुवाद, अनुवाद के सिद्धान्त, अुनवाद की सीमाएँ, अनुवादक के गुण
- हिन्दी कम्प्यूटिंग- कम्प्यूटरी परिचय, हिन्दी के प्रमुख इण्टरनेट पोर्टेल, हिन्दी के सॉफ्टवेयर पैकेज

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. **प्रयोजनमूलक हिन्दी** : डॉ0 रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
2. **प्रयोजनमूलक हिन्दी** : डॉ0 कैलाशचन्द्र भाटिया
3. **जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता** : डॉ0 अर्जुन तिवारी
4. **प्रयोजनमूलक हिन्दी** : डॉ0 बालेन्दुशेखर तिवारी
5. **संचार क्रान्ति और हिन्दी पत्रकारिता** : डॉ0 अशोक कुमार शर्मा
6. **राजभाषा सहायिका** : अवधेश मोहन गुप्त
7. **प्रशासन में राजभाषा हिन्दी** : डॉ0 कैलाशचन्द्र भाटिया
8. **समाचार-लेखन एवं मुद्रणकला** : डॉ0 मनमोहन
9. **व्यावहारिक हिन्दी** : डॉ0 रामकिशोर शर्मा
10. **कार्यालय-कार्य विधि** : रामचन्द्र सिंह सागर

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद (उ० प्र०)

(सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम)

एम.ए.(उत्तरार्द्ध) हिन्दीसाहित्य : चतुर्थ सेमेस्टर

(सन् 2019 की परीक्षा और उससे आगे के लिए)

चतुर्थ प्रश्नपत्र : निबन्ध अथवा लघु-प्रबन्ध

पूर्णांक 100

विशेष- लघु शोध-प्रबन्ध केवल ऐसे संस्थागत छात्र/छात्राएँ ले सकेंगे जिन्होंने एम.ए. (पूर्वार्द्ध) की परीक्षा में 60 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त किये हों। विषय की अनुमति स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग का वरिष्ठतम प्राध्यापक देगा। यह निबन्ध के विकल्प के रूप में चयनित किया जा सकेगा।

नोट- निबन्ध का प्रश्नपत्र दो खण्डों में होगा। प्रत्येक खण्ड के अंक समान (50 + 50 = 100 अंक) होगा। दोनों खण्डों से एक-एक निबन्ध लिखना आवश्यक है।

खण्ड एक : साहित्यिक निबन्ध - 50 अंक
खण्ड दो : समसामयिक, सामाजिक निबन्ध - 50 अंक

सन्दर्भ-ग्रन्थ :

1.	**हिन्दी निबन्ध**	:	डॉ0 गणपतिचन्द्र गुप्त
2.	**साहित्यिक निबन्ध**	:	त्रिभुवन सिंह
3.	**साहित्यिक निबन्ध**	:	प्रतापनारायण टण्डन
4.	**साहित्यिक निबन्ध**	:	गोविन्द
5.	**ललित की खोज में**	:	डॉ0 रामशंकर तिवारी
6.	**साहित्य-सरोवर**	:	डॉ0 गोपीनाथ तिवारी
7.	**मानक-निबन्ध**	:	डॉ0 रामदरश राय
8.	**नये निबन्ध**	:	ओंकार शरद

पंचम प्रश्नप्रत्र : मौखिकी

पूर्णांक - 100